सत्ता संरचना में महिलाओं के अदर्शन

डॉ. प्रीशिका राज

महिलाएँ भारतीय समाज में एक ऐसे वर्ग का निर्माण करती हैं जो कि परंपरागत रूप से प्रताड़ना, उपेक्षा व पिछड़ेपन का शिकार रही है। अतः जब संविधान की प्राथमिकताओं के अनुरूप समाज के कमजोर वर्ग को ऊपर उठाने की बात आती है, तो महिला वर्ग उसमें प्रमुख रूप से आती है।

यह निर्विवाद तथ्य है कि भारत में महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता वर्तमान में अपेक्षित स्तर पर विद्यमान नहीं है। यह सामान्यतः स्वीकार किया जाता है कि संवैधानिक और कानूनी रूप से समानता की घोषणा के पश्चात भी यदि महिलाएँ राजनीतिक प्रक्रिया में समान रूप से भागीदारी नहीं है तो इसके लिए भारतीय सामाजिक व्यवसथा ही उत्तरदायी रही हैं। महिलाओं में सम्पूर्ण राजनीतिक सहभागिता और सशक्तिकरण के लिए आवश्यक है कि वो इस रूढ़िवादी समाज में अपने लिए एक सम्मानित स्थान को प्राप्त करें। यह सम्मान उनके अन्दर सशक्तिकरण की भावना लाने से ही संभव है। जब तक महिलाएँ अपने आपको सशक्त नहीं करेंगी, तब तक उन्हें समाज में वो स्थान प्राप्त नहीं हो पायेगा, जिसे वो प्राप्त करना चाहती है।